भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 2776

जिसका उत्तर 10 अगस्त, 2018 को दिया जाना है

इस्पात श्रेणी कोकिंग कोयला

2776. श्री संजय सिंहः

क्या **कोयला मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में इस्पात श्रेणी के कोकिंग कोयले का पता लगाने के लिए किस सीमा तक खोज की गई है;

(ख) उपर्युक्त के लिए कितना बजट आबंटित किया गया है तथा चालू परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) इस्पात संयंत्रों द्वारा कोयला खंड अंतर राष्ट्रीय आपूर्तिकर्ताओं से खरीदे जाने के क्या कारण हैं, जिसके कारण आयात मूल्यों में उतार–चढ़ाव होता रहता है जिसके कारण देश में इस्पात के मूल्य प्रभावित होते हैं; और

(घ) क्या कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) कोकिंग कोयला (इस्पात श्रेणी) विदेशों से आयात कर रहा है, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, कोयला, वित्त तथा कारपोरेट कार्य मंत्री

(श्री पीयूष गोयल)

(क) : भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) द्वारा प्रकाशित 'राष्ट्रीय कोयला सूची' के अनुसार, 01.04.2018 तक देश में 34,522.46 मिलियन टन कोकिंग कोयला संसाधन मौजूदा हैं।

(ख) : देश में कोकिंग कोयले के अन्वेषण हेतु कोई विशेष बजट आबंटित नहीं किया गया है। तथापि, क्षेत्रीय/संवर्धनात्मक अन्वेषण तथा गैर सीआईएल ब्लॉकों में कोयला/लिग्नाइट के विस्तृत अन्वेषण हेतु केंद्रीय क्षेत्र की योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए सरकार ने 500 करोड़ रु. का बजट आबंटित किया है। सीआईएल कोयला ब्लॉकों में, अन्वेषण की लागत सीआईएल की संबंधित सहायक कंपनियों द्वारा वहन की जाती है।

(ग) : इस्पात नियंत्रण मुक्त क्षेत्र है तथा कोयला ब्लॉकों की खरीद का मामला व्यक्तिगत कंपनियों का वाणिज्यिक निर्णय है। यह भी उल्लेख किया गया है कि इस्पात कंपनियां मात्रात्मक और गुणात्मक दोनों शर्तों में कुल कोकिंग कोयले की आवश्यकता तथा स्वदेशी उपलब्धता के बीच के अंतर को पूरा करने के लिए कोयले का आयात कर रही हैं।

(घ) : कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) किसी भी कोयले का आयात नहीं कर रही है।

*****